

खतरे की घंटी को क्यों है बजाना अस्पताल में प्रसव के बाद 2 रात जरूर बिताना



- प्रसव के बाद दो रातें (48 घंटे) माँ-बच्चे के लिए महत्वपूर्ण होते हैं
- अस्पताल में सारी सुविधाएं होती हैं
- इसलिए प्रसव अस्पताल में ही कराएं और उसके बाद दो रातें (48 घंटे) वहीं रुकें



अधिक जानकारी के लिए अपनी ए. एन. एम. बहन जी/आशा दीदी या निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें



100 दिन तक रोज़ एक आयरन की गोली भूलिएगा मत
माँ और बच्चा दोनों को ही मिलेगी ताक़त



आयरन की गोली लेने से ख़ून की कमी नहीं
होती और बच्चे के विकास में मदद मिलती है



अधिक जानकारी के लिए अपनी ए. एन. एम. बहन जी/आशा दीदी या निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें



प्रसव पूर्व चार जाँच कराना है ज़रूरी माँ-बच्चा स्वस्थ तो खुशियाँ पूरी



- गर्भवती होने का पता चलते ही ए. एन. सी. के लिए पंजीकरण करायेँ
- गर्भावस्था के दौरान चार जाँच अवश्य करायेँ, इससे माँ-बच्चा संभावित खतरों से बच सकते हैं



अधिक जानकारी के लिए अपनी ए. एन. एम. बहन जी/आशा दीदी या निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें



एक शरीर में दो जान इनका सर्वे दुगुना ध्यान



- दिन में कम से कम 3 बार भोजन करें
- दो भोजन के बीच में कुछ-कुछ खाते रहें
- रात में 8 घंटे की नींद लें और दिन में भी कम से कम 1 बार आराम करें



अधिक जानकारी के लिए अपनी ए. एन. एम. बहन जी/आशा दीदी या निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें

